Lecture - 114.

नई आर्थिक नीति 1991.

- ममता रानी
अतिथि सहायक प्राध्यापक
इतिहास विभाग
SNSRKS College,
Saharsa.

BA Part - IIIrd.

(iii) विदेशी → सरकार ने (?) भी लिमिटेड को मे आकर्षित करने के लिए विदेशी भी सबसे अधिक बल दिया। विदेशियों को हर तरह का विश्वास दिलाकर भारत आने का स्वागत किया गया।

(2) विदेशी निवेश का परिणाम ही भारतीय ... संतुलन भी असंतुलित से संतुलित हुआ जिसके अतिरिक्त ... देशों की ओर से ... राज्य ... की ... ।

(3) सार्वजनिक — इस नीति के द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र में भी निजीकरण को किया गया और कुछ औद्योगिक इकाइयों में निजीकरण किया गया और उनकी स्थिति में सुधार का प्रयास किया गया साथ ही पूंजी को प्रोत्साहित भी किया गया।

(4) औद्योगिक → इस नीति के द्वारा अब केवल 5 उद्योगों को आरक्षित श्रेणी में रखा गया तथा अन्य श्रेणी के उद्योगों के लिए मार्ग को सभी के लिए खोल दिया गया। आरक्षित श्रेणी में प्रवेश, खतरनाक रसायन, विस्फोटक सामग्री ... तम्बाकू को शामिल किया गया है।

विद्वानों के अनुसार नई आर्थिक नीति की आलोचना भी किया जाता है जैसे -

(i) सरकार ने नीजि क्षेत्र को प्रोत्साहित किया और सार्वजनिक क्षेत्र की भूमिका में कटौती कर दिया क्योंकि वर्तमान में तीन सार्वजनिक क्षेत्रों में आरक्षित है जैसे - परमाणु, परमाणु इकाई भी आरक्षित श्रेणी में ... खनिज और रेल।

(ii)

(iii) इस नीति के द्वारा नीजि क्षेत्र की महत्व के कारण बेरोजगारी की संभावना बहुत अधिक बढ़ गई तथा भारतीय छोटे-2 उद्योग ... तथा ... की ... उत्पन्न हो गई।

उपर्युक्त वर्णन से स्पष्ट होता है नई आर्थिक नीति की भले ही आलोचना किया गया है लेकिन यह ... की मांग थी और इसको लागू करने का प्रयास ... भी जरूरी था लेकिन ... इसकी कमियों को दूर करते हुए और सुधार किया जा सकता है

5. नई आर्थिक नीति (1991) का मूल्यांकन कीजिए।
भारत की अर्थव्यवस्था 1991 ई० में आर्थिक संकट की दौर से गुजर रहा था क्योंकि असमान संतुलन अर्थात आयात एवं निर्यात में बहुत अंतर स्थापित हो गया था। सरकार द्वारा विदेशी मुद्रा की तुलना में अपनी मुद्रा का मूल्य घटाकर रु० का अवमूल्यन करना पड़ रहा था। राजकोषिय घाटा अर्थात सरकार की कुल व्यय आधिक बढ़ गया था। इसके साथ ही विदेशी निवेश नहीं के बराबर था और मुद्रा स्फीति भी बहुत अधिक बढ़ गया था जिससे वित्त से संबंधित समस्या भी उत्पन्न हो गया था। इन सबों से उबरने के लिए 1991 में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय नरसिम्हा राव की सरकार ने समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए 1991 में जिस नीति को लागु किया उसे नई आर्थिक नीति कहा जाता है इसे सुधार की इच्छ नीति भी कहा जाता है। यह सत्य है कि नई आर्थिक नीति को लागु किया गया है और कि इसको नकारात्मक व सकारात्मक रूप में देखा गया है और विश्लेषण किया है जो निम्नलिखित है

① निर्धनता में कमि - इस नीति को अपनाकर सरकार ने निर्धनता में कमि लाने का सफल प्रयास किया जिसके उदाहरण है %. में कमि लाने का % सबसे महत्वपूर्ण है
② वित्तिय → नई आर्थिक नीति लाए बैंकिंग और मुद्रा के क्षेत्र में बहुत अधिक सुधार हुआ जिससे राजकोषिय घाटा में भी बहुत हद तक कमि हुआ। इसी का परिणाम है कि 2007-8 के विश्व आर्थिक मंदी के समय भारतीय बैंकिंग क्षेत्र पूर्ण रूप से सुरक्षित रहे।